पमरे ने पूनम के गोल से जबलपुर रायल को दी करारी शिकस्त

हाकी के 100 साल : पूर्व व वर्तमान खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए पूर्व हाकी खिलाड़ी व अन्य। • सौजन्य आयोजक

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : भारतीय हाकी के शताब्दी समारोह का आयोजन नगर में भी हुआ। इस मौके पर पूर्व व वर्तमान हाकी खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। प्रदर्शन मुकाबले की शृंखला में महिला वर्ग के मैच में पश्चिम मध्य रेलवे की टीम ने जबलपुर रायल को 3-0 से पराजित किया। वहीं पुरुष वर्ग में जबलपुर व्हाइट ने जबलपुर ब्लू को भी 3-0 गोल से हराया।

हाकी मध्य प्रदेश के तत्वावधान में स्थानीय रानीताल स्टेडियम में भारतीय हाकी शताब्दी समारोह आयोजित किया। प्रथम महिला मैच पमरे एवं जबलपुर रायल के मध्य खेला गया, जिसमें दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया, पमरे 3-0 से विजयी रही। पहला गोल खेल के नौवें मिनट में पूनम मेहता ने किया तथा दूसरा गोल भी पूनम मेहता ने खेल के 13वें मिनट में किया। तीसरा गोल खेल के 16वें मिनट में सोया सिद्दिकी ने किया।

जबलपुर व्हाइट की आसान जीत : दूसरा मैच पुरुष टीमों का जबलपुर व्हाइट एवं जबलपुर ब्लू के मध्य खेला गया, जिसमें जबलपुर व्हाइट 3-0 से विजयी रही। दोनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे पर जवाबी जवाबी आक्रमण किए। जबलपुर व्हाइट की ओर से पहला गोल खेल के पांचवें मिनट में राजकमल यादव ने किया। इसके तुरंत बाद ही जबलपुर ब्लू की अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों ने मिलकर एक शानदार आक्रमण किया परंतु गोल नहीं कर सके। इसके पश्चात जबलपुर व्हाइट की ओर से अनेक अच्छे जवाबी आक्रमण किए गए, जिसके परिणामस्वरूप खेल के 50वें मिनट में दूसरा गोल रिंकू यादव ने किया। तीसरा गोल खेल के 55वें मिनट में सोनू ने किया। मैच के निर्णायक सौरभ राजपूत, रंजीत गौतेल तथा शकील थे।

ये रहे मौजूद : अतिथियों ने सभी टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। एसपीओएस सचिव दिग्विजय सिंह, नितिन डिमोले एवं वरिष्ठ खिलाड़ी संकठिक सिंह, सुरेश मेहता, अरुण यादव, आलोक बोस, सुनील यादव, ओंकार दुबे, राकेश श्रीवास, मेनुद्दीन का सम्मान महासचिव हाकी मध्य प्रदेश लोक बहादुर द्वारा पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

फेडरेशन द्वारा संचालित दिल्ली फाइट नाइट फिस्टा, रायबरेली कप, भागलपुर, रांची और चेन्नई चैंपियनशिप जैसे आयोजनों ने भारतीय बॉक्सिंग को नई दिशा दी है। वहीं मप्र एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट वरुण

बनर्जी, अनंत सोनी, सुधीर रिछारिया, राजीव व्यास, राजेश नीलू, अजय तिवारी, चेतन अग्रवाल, अजय मिश्र, राजेश जायसवाल, राजेश ठाकुर, धीरज अग्रवाल, निखिल देशमुख, रवि मिश्र, विजय पटेल सहित अन्य मौजूद रहे।

में एयर राइफल और एयर पिस्टल दोनों श्रेणियों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय स्तर पर शूटिंग खेल को बढ़ावा देना व नई प्रतिभाओं की खोजना है।पी-2

महिला वर्ग में डब्ल्यूसीआर की टीम 3-0 से बनी विजेता

रानीताल स्टेडियम में भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह में आयोजित हुए महिला व पुरुष वर्गों के मुकाबले

जबलपुर। हॉकी मध्य प्रदेश के तत्वावधान में रानीताल स्टेडियम पर भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान महिला एवं पुरुष टीमों के मध्य मैच खेले गए। प्रथम महिला मैच डब्ल्यूसीआर एवं जबलपुर रॉयल के मध्य खेला गया। जिसमें दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया और अंत में डब्ल्यूसीआर 3-0 से विजयी रही। रेलवे की ओर से पहला गोल खेल के 9वें मिनट में पूनम मेहता ने किया तथा दूसरा भी पूनम मेहता ने खेल के 15वें मिनट में किया एवं तीसरा गोल खेल के 16वें मिनट में सोया सिद्दीकी ने किया।

पुरुष टीमों का मैच जबलपुर व्हाइट एवं जबलपुर यलो के मध्य खेला गया। जिसमें जबलपुर व्हाइट 3-0 से विजयी रही। दोनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे पर बराबरी जवाबी आक्रमण किए। जिसके फलस्वरूप जबलपुर व्हाइट की ओर से पहला गोल खेल के 5वें मिनट में राजकमल यादव ने किया। इसके तुरंत बाद ही जबलपुर यलो की अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों ने मिलकर एक शानदार आक्रमण किया परन्तु गोल नहीं कर सके। इसके पश्चात जबलपुर व्हाइट की ओर से अनेक अच्छे जवाबी आक्रमण किए गए जिसके परिणामस्वरूप खेल के 50वें मिनट में दूसरा गोल रिंकू यादव ने किया तथा तीसरा गोल खेल के 55वें मिनट में सोनू ने किया। मैच के निर्णायक सौरभ राजपूत, रंजीत गौतेल तथा शकील थे।

खिलाड़ियों व पदाधिकारियों ने निकाली रैली

मैच के अंत में सभी खिलाड़ियों, पदाधिकारियों एवं अतिथियों की एक सामूहिक रैली निकाली गई। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा सभी टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गये। कार्यक्रम दौरान दिग्विजय सिंह सचिव मध्यप्रदेश ओलम्पिक संघ, नितिन डिमोले अध्यक्ष हाकी मध्य प्रदेश एवं वरिष्ठ खिलाड़ी संकादिक सिंह, सुरेश मेहता, अरुण यादव, सुरेन्द्र सिंह, जसपाल ओबेरॉय, मातादीन, गोरेलाल, डी.एस.भारती, पन्नालाल, दुर्गा प्रसाद, आलोक बोस, सुनील यादव, ओमकार दुबे आदि का सम्मान लोक बहादुर महासचिव हॉकी मध्य प्रदेश द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील यादव ने किया गया।पी-2

ग्लैमर

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

- हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास
- तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

दैनिक ज्ञान संचार

बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलवीर सिंह

अहलूवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर – जिला हॉकी संघ के सचिव नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को भावना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

– हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प – इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश पुनवंरे, सुधीर जैन, पद्माकांत शुक्ला, राजकपिल एंथनी, बाबूराव तोड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेले गए मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थे, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा : जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल, देशबन्धु। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

बैतूल,ताप्ती समन्वय। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दीड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया।

मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम, सिवनी, जिला – सिवनी

MATCH REPORT

MATCH NO.	DATE	TIME	POOL/CLASS	PITCH
Final	17.11.2023	1.30 PM		

TOSS WON TEAM – Seoni Red CHOICE – [illegible]

TEAM 1	FINAL RESULT	1	2	3	4	TO	TEAM 2
Seoni ~~Red~~ Green	TEAM 1	0	0	0	2		Seoni Red
	TEAM 2	0	0	0	0		

TIME ON	SHIRT NO	PLAYERS NAME	GREEN	[illegible]	RED		TIME ON	SHIRT NO	PLAYERS NAME	GREEN	[illegible]	RED
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			
		[illegible]							[illegible]			

RESULT

TEAM	MINUTE	SHIRT NO	ACTION	SCORE		
Red	35:40	10	F.G.	1	-	0
-11-	38:50	0C	F.G.	2	-	0

विजेता टीम Seoni Green Red By 2–0

01 कोच का नाम व हस्ताक्षर .... 02 कोच का नाम व हस्ताक्षर ....

01 टीम मैनेजर नाम व हस्ताक्षर [illegible] 02 टीम मैनेजर नाम व हस्ताक्षर [illegible]

01 एम्पायर नाम एवं हस्ताक्षर [illegible] 02 एम्पायर नाम एवं हस्ताक्षर [illegible]

01 जज नाम व हस्ताक्षर [illegible] 02 जज नाम व हस्ताक्षर [illegible]

टेक्निकल आफिसर नाम व हस्ताक्षर .... स्कोरर नाम व हस्ताक्षर ....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम, सिवनी, जिला – सिवनी

MATCH REPORT

MATCH NO.	DATE	TIME	POOL/CLASS	PITCH
Final.	7.11.2025	8:30 AM		

TOSS WIN TEAM — CHOICE

TEAM 1: Boy's. Sports

TEAM 2: Dhotkans Sports

FINAL RESULT	1	2	3	4	TO
TEAM 1	1	0	1	3	
TEAM 2	0	0	1	1	

TIME ON	SHIRT NO	PLAYERS NAME	GREEN	YELLOW	RED
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible] P.C			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			

TIME ON	SHIRT NO	PLAYERS NAME	GREEN	YELLOW	RED
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			
		[illegible]			

RESULT

TEAM	MINUTE	SHIRT	ACTION	SCORE
Boy's	1.10		F.G.	1
Boy's	23.[illegible]		F.G.	1
Dhotkans	34.20		P.C	1
Boy's	38.20		P.C	1
Boy's	40.6		F.G	1
Boy's	43.40		F.G	1
Boy's	[illegible]		F.G	1
Dhotkans	[illegible]			

विजेता टीम — Boy's Sports win — 5/2

01 कोच का नाम व हस्ताक्षर .... 02 कोच का नाम व हस्ताक्षर ....

01 टीम मैनेजर नाम व हस्ताक्षर [signature] 02 टीम मैनेजर नाम व हस्ताक्षर [signature]

01 एम्पायर नाम एवं हस्ताक्षर [signature] 02 एम्पायर नाम एवं हस्ताक्षर [signature]

01 जज नाम व हस्ताक्षर [signature] 02 जज नाम व हस्ताक्षर [signature]

टेक्निकल आफिसर नाम व हस्ताक्षर .... स्कोरर नाम व हस्ताक्षर ....

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

100 YEAR'S OF HOCKEY CELEBRATION 5A SIDE HOCKEY TOURNAMENT 2025
KHARGONE, MADHY PRADESH
7TH NOVEMBER 2025

HOCKEY INDIA

MATCH REPORT

MATCH NO.	DATE	TIME	POOL / CLASS	PITCH
1	07-07-2025	8.00 AM	KO	1

RESULT

TEAM	1	2	3	4	T
NIM	0	1	0	1	2
KHA	0	0	0	0	0

NIMAR

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	1	AJAY CHAUHAN (C)			
X	2	BILAL KHAN			
X	3	DANISH			
X	4	SALIC			
X	5	ZEHAAN			
15	6	OWAIS			
	7	SAKSHAM			
coach					

TEAM MANAGER ANSH

UMPIRE GANESH KUSHWAH

JUDGE

TECHNICAL OFFICER SONU PRAJAPAT

KHARGONE

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	2	ANUJ (C)			
X	3	MANAV			
X	4	SAMI			
X	5	ABUBAKAR			
	6	AMMAR			
X	7	SHIVAM			
	8	ROHAN			
coach					

TEAM MANAGER VEDANSH

UMPIRE SAMI KHAN

JUDGE

RESERVE UMPIRE

Team	Minute	No.	Action	Score	Team	Minute	No.	Action	Score	Team	Minute	No.	Action	Score
NIM	13	3	FG	1 - 0					-					-
NIM	37	6	FG	2 - 0					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-

FG – Field Goal / PC – Penalty Corner / PS – Penalty Stroke

REMARKS

Technical Delegate

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

100 YEAR'S OF HOCKEY CELEBRATION 5A SIDE HOCKEY TOURNAMENT 2025
KHARGONE, MADHY PRADESH
7TH NOVEMBER 2025

HOCKEY INDIA

MATCH REPORT

MATCH NO.	DATE	TIME	POOL / CLASS	PITCH
2	07-07-2025	9.50 AM	KO	1

RESULT

TEAM	1	2	3	4	T
RUP	0	0	0	1	1
DHY	1	1	0	1	3

RUPSINGH

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	2	GANESH (C)			
13	3	ANAS			
X	4	JAY			
X	5	YUVRAJ			
8	7	DIPU			
X	8	ANSH			
X	9	ANTIM			
coach					

TEAM MANAGER HARSHDEEP [signature]

UMPIRE CHAND [signature]

JUDGE

TECHNICAL OFFICER SONU PRAJAPAT [signature]

DHYANCHAND

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	1	NITIN			
X	2	PANCHAM			
23	3	GUFRAN			
X	4	YUVRAJ			
X	5	AKMAL			
X	8	VIRENDRA			
	9	DIVYANSHU			
coach					

TEAM MANAGER HARSHRAJ [signature]

UMPIRE SAMI KHAN [signature]

JUDGE

RESERVE UMPIRE

Team	Minute	No.	Action	Score	Team	Minute	No.	Action	Score	Team	Minute	No.	Action	Score
DHY	7	8	FG	1 - 0					-					-
DHY	16	2	FG	2 - 0					-					-
RUP	32	3	FG	2 - 1					-					-
DHY	36	8	FG	3 - 1					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-

FG – Field Goal / PC – Penalty Corner / PS – Penalty Stroke

REMARKS

Technical Delegate

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

100 YEAR'S OF HOCKEY CELEBRATION 5A SIDE HOCKEY TOURNAMENT 2025
KHARGONE, MADHY PRADESH
7TH NOVEMBER 2025

HOCKEY INDIA

MATCH REPORT

MATCH NO.	DATE	TIME	POOL / CLASS	PITCH
3	07-07-2025	11.30 AM	KO	1

RESULT FINAL

TEAM	1	2	3	4	T
NIM	0	0	0	1	1
DHY	0	0	0	0	0

NIMAR

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	1	AJAY CHAUHAN (C)			
X	2	BILAL KHAN			
X	3	DANISH			
X	4	SALIC			
X	5	ZEHAAN			
15	6	OWAIS			
	7	SAKSHAM			
coach					

TEAM MANAGER ANSH (signature)

UMPIRE GANESH KUSHWAH (signature)

JUDGE

TECHNICAL OFFICER SONU PRAJAPAT (signature)

DHYANCHAND

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	1	NITIN			
X	2	PANCHAM			
13	3	GUFRAN			
X	4	YUVRAJ			
X	5	AKMAL			
X	8	VIRENDRA			
	9	DIVYANSHU			
coach					

TEAM MANAGER HARSHRAJ (signature)

UMPIRE SAMI KHAN (signature)

JUDGE

RESERVE UMPIRE

Team	Minute	No.	Action	Score			Team	Minute	No.	Action	Score			Team	Minute	No.	Action	Score		
NIM	33	4	FG	1	–	0						–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	
					–							–							–	

FG – Field Goal / PC – Penalty Corner / PS – Penalty Stroke

REMARKS

Technical Delegate

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

मैत्री मैच में अहिल्या आश्रम और ताहिर सेंटर ने जीत हासिल की

इंदौर • भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष के चलते चिमनबाग मैदान पर मैत्री मुकाबले खेले गए। महिला वर्ग में शा. अहिल्या आश्रम ने ताहिर सेंटर को 1-0 से हराया। पुरुष वर्ग में ताहिर सेंटर ने हॉकी इंदौर को 2-1 से पराजित किया। इस दौरान वरिष्ठ खिलाड़ी डीके तिवारी, रामनाथ राय, इस्माईल अंसारी, डॉ. एके दास, शिवकुमार चौहान, बाबुल मजूमदार, दर्शन सिंह, दीपक पटेरिया, माधवराव देशमुख का सम्मान किया गया। इस मौके पर एमपीओए उपाध्यक्ष ओम सोनी, खेल अधिकारी रीना चौहान, सचिव किशोर शुक्ला, नजमुद्दीन खुर्शीद और याकूब अंसारी भी मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर

दो मैत्री मैच खेले गए व वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान किया

इन्दौर। भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर आज हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजन किया गया जिसमे दो मैत्री मैच खेले गए पहला मैच महिला वर्ग मे शा अहिल्या आश्रम स्कूल व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर की टीम के बीच खेला गया जिसमे अहिल्या आश्रम स्कूल 1-0 से विजयी रही।

दूसरा मैच पुरुष वर्ग मे हॉकी इंदौर एसोसिएशन व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के बीच खेला गया दोनो टीमो ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया जिसमें ताहिर हाकी ट्रेनिंग सेंटर 2-1 से विजयी रहा। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया है जिसमें डी के तिवारी म प्र पुलिस, रामनाथ राव धार हॉस्टल, मो इस्माईल अंसारी म प्र पुलिस, डॉ ए के दास, सेंट्रल एक्साइज, शिवकुमार चौहान म प्र पुलिस, बाबूल मजूमदार सेंट्रल एक्साइज, दर्शन सिंह म प्र पुलिस, दीपक पटेरिया, टेलीफोन विभाग,माधवराव देशमुख म प्र पुलिस, को शाल श्रीफल व टी-शर्ट देकर मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष श्री ओम सोनी के मुख्य अतिथि मे सम्मानित किया गया ,कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल व युवा कल्याण विभाग इंदौर की क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमति रीना चौहान ने की ,विशेष अतिथि हॉकी इंदौर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नजमुद्दीन खुर्शीद थे।इस अवसर पर अतुल खुशे,अनुष खान, दीपक यादव, निशित गौड़, गुलाम साबिर, अभिषेक यादव, मानसिंह बारिया,जगेश व्यास, अदिति कसेरा,अजय गहलोत, विजय गहलोत, शैली शर्मा आदि खिलाड़ीगण उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने किया व अंत मे एसोसिएशन के सहसचिव मो याकूब अंसारी ने आभार व्यक्त किए।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

मप्र से शुरू हुआ था भारतीय हॉकी का सफलतम सफर

वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान किया

भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर शुक्रवार को हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वारा चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजन किया गया। जिसमें दो मैत्री मैच खेले गए। पहला मैच महिला वर्ग में अहिल्या आश्रम स्कूल ने ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर को 1-0 से हराया। दूसरा मैच पुरुष वर्ग में हुआ जिसमें ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर ने हॉकी इंदौर एसोसिएशन को 2-1 से हराया। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया है जिसमें डीके तिवारी, रामनाथ राय, मो इस्माईल अंसारी, डॉ एके दास, शिवकुमार चौहान, बबलू मजूमदार, दर्शन सिंह, दीपक पटेरिया, माधवराव देशमुख को शाल श्रीफल व टी-शर्ट देकर मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी के मुख्य अतिथि में सम्मानित किया गया। अध्यक्षता जिला खेल अधिकारी रीना चौहान ने की। विशेष अतिथि हॉकी इंदौर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नजमुद्दीन खुर्शीद थे। संचालन एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने किया व आभार सहसचिव मो. दाऊद अंसारी ने माना।

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

भारत को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाने वाली हॉकी ने भारत में अपने 100 साल का सफर पूरा किया। इस गौरवशाली यात्रा की शुरुआत मध्य प्रदेश से ही हुई और वैश्विक सफलता व सम्मान दिलाने में भी मध्य प्रदेश अग्रणी रहा। यह भी कम रोचक नहीं है कि सौ साल के इस सफर में इंदौर के प्रकाश हॉकी क्लब का अहम योगदान शामिल है।

उक्त विचार प्रदेश में हॉकी की सबसे पुरानी नर्सरी कहलाने वाले प्रकाश क्लब के सचिव देवकीनंदन सिलावट ने आइएटीवी शिक्षण संस्था में आयोजित प्रदर्शन मैच के दौरान व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान पद्मश्री किशन लाल और पद्मश्री शंकर लक्ष्मण के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। मैत्री मैच में प्रकाश क्लब और आइएटीवी टीम का मुकाबला हुआ। वहीं विवेक विद्या निकेतन टीम से आरआर स्पोर्ट्स की टक्कर हुई। खिलाड़ियों को एमआइसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, पूर्व कुलपति शिवनारायण यादव, प्राचार्या शुभरंजन चटर्जी, उपप्राचार्या सरिका शर्मा के आतिथ्य में सम्मानित किया गया। वरिष्ठ खिलाड़ी सरवर खान, प्रकाश यादव, ओपी यादव, डा. सुरेश मालवीय, आरके यादव, बालकिशन रैकवार, दिनेश मिश्रा और शम्मी वीरजी भी सम्मानित हुए। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार पटेल ने किया। आभार अशोक यादव ने माना। शाम के सत्र में एक अन्य मैच प्रकाश क्लब और डेली कॉलेज के मध्य खेला गया।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर दो मैत्री मैच खेले गए व वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान किया

इंदौर । भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वारा चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजन किया गया । जिसमें दो मैत्री मैच खेले गए । पहला मैच महिला वर्ग में शा. अहिल्या आश्रम स्कूल व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर की टीम के बीच खेला गया, जिसमें अहिल्या आश्रम स्कूल 1-0 से विजयी रही। दूसरा मैच पुरुष वर्ग में हॉकी इंदौर एसोसिएशन व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के बीच खेला गया । जिसमें ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर 2-1 से विजयी रहा। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित हुआ रोमांचक मुकाबला

कटनी, यशभारत। 7 नवम्बर 2025 को भारतीय हाकी के सौ वर्ष पूरे हो गए। भारतीय हाकी का गठन 7 नवम्बर 1925 को हुआ था। और इस दिन से भारतीय हाकी का संचालन पिछले 100 वर्षों से सुचारू रूप से चल रहा है। भारतीय हाकी ने पूरे विश्व में बहुत सारी उपलब्धियां प्राप्त कर रिकार्ड स्थापित किये हैं। हाकी इंडियाष् के निर्देशानुसार भारतीय हाकी के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे भारत में समारोह आयोजित किए जा रहे है। भारत वर्ष के सभी जिलों में इस समारोह को बड़े हर्ष और उल्लास से मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में हाकी कटनी व्दारा एक हाकी मैच का आयोजन सायना अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय में किया गया। इस अवसर पर हाकी कटनी के मानद सचिव शंकरलाल सोनी, सचिव अनिल दुबे, अंकुर चतुर्वेदी, सह सचिव श्रीमती पिंकी बलयानी, कोच सम्स मोहम्मद रानू सुनील रजक खेल प्रभारी सायना, अन्य अधिकारियों, खिलाड़ियों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

HOCKEY@100 | From Prakash Hockey Club to Chimanbagh Ground, the city turns into a nostalgia arena

City salutes the legends of Indian Hockey

Our Sports Reporter
INDORE

As Indian hockey celebrates a monumental 100-year legacy, Indore's historic grounds echoed not just with the sound of striking balls but with the stories of legends, as the city hosted twin tributes to a century of glorious stick-work, honouring the past and passing the torch to a promising future.

At Prakash Hockey Club

In a fitting tribute, the legendary Prakash Hockey Club - the state's oldest nursery for the sport—hosted a commemorative seminar that was as much a history lesson as a celebration. Devkinandan Silawat, Secretary of Prakash Club, illuminated a pivotal fact for the audience: the official journey began on November 7, 1925, with the formation of the Indian Hockey Federation at Motimahal in Gwalior.

Guests presenting trophy to the winners after a friendly match hosted by Prakash Hockey Club

Guests presenting kit to the players while celebrating the occasion at Chimanbagh Hockey Ground

"It was from this very state that the foundation was laid for India's global hockey dominance," Silawat stated, recounting how the 1926 tour of New Zealand first unveiled the magic of Major Dhyan Chand to the world. He highlighted how the legacy continued post-independence when Padmashree Kishan Lal, a stalwart of Prakash Club, captained India to its historic gold at the 1948 London Olympics.

The spirit of the game was kept alive with exhibition matches where Prakash Club faced IATV, and RR Sports took on Vivek Vidya Niketan. Club honoured senior players like Sarwar Khan and Dr Suresh Malviya, ensuring the flame of this century-old tradition continues to burn brightly.

At Chimanbagh Hockey Ground

Simultaneously, the historic Chimanbagh Hockey Ground witnessed a vibrant celebration organised by the Hockey Indore Association. The event blended thrilling competition with heartfelt homage, featuring friendly matches where Ahilya Ashram School won 1-0 in the women's category and Tahir Hockey Training Centre emerged victorious 2-1 in the men's.

The true highlight across both events was the profound respect paid to the architects of this legacy. Veterans including DK Tiwari, Ramnath Rai and Dr AK Das were felicitated.

The events were graced by chief guest Om Soni, vice president of the Madhya Pradesh Olympic Association and Reena Chauhan of the Sports Department, whose presence beautifully bridged the generations, celebrating a century of hockey and inspiring the next.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दो मैत्री मैच खेले गए व वरिष्ठ खिलाड़ियों का सम्मान किया

इन्दौर। भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष पर आज हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार चिमनबाग हॉकी मैदान पर आयोजन किया गया जिसमे दो मैत्री मैच खेले गए पहला मैच महिला वर्ग मे शा अहिल्या आश्रम स्कूल व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर की टीम के बीच खेला गया जिसमे अहिल्या आश्रम स्कूल 1-0 से विजयी रही।

दूसरा मैच पुरुष वर्ग मे हॉकी इंदौर एसोसिएशन व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के बीच खेला गया दोनो टीमो ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया जिसमे ताहिर हाकी ट्रेनिंग सेंटर 2-1 से विजयी रहा। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी सम्मान किया

गया है जिसमे डी के तिवारी म प्र पुलिस, रामनाथ राय धार होस्टल, मो इस्माईल असारी म प्र पुलिस, डॉ ए के दास, सेंट्रल एक्साइज, शिवकुमार चौहान म प्र पुलिस, बाबुल मजूमदार सेंट्रल एक्साइज, दर्शन सिंह म प्र पुलिस, दीपक पटेरिया, टैलीफोन विभाग, माधवराव देशमुख म प्र पुलिस, को शाल श्रीफल व टी-शर्ट देकर मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष श्री ओम सोनी के मुख्य अतिथि मे सम्मानित किया गया ,कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल व युवा कल्याण विभाग इंदौर की क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमति रीना चौहान ने की ,विशेष अतिथि हॉकी इंदौर एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नजमुद्दीन खुर्शीद थे।इस अवसर पर अतुल खुणे,अयुब खान, दीपक यादव, नितिश गौड, गुलाम साबिर, अभिषेक यादव, मानसिंह चारिया,जयेश व्यास, अदिति कसेरा,अजय गहलोत, विजय गहलोत, शेली शर्मा आदि खिलाड़ीगण उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने किया व अंत मे एसोसिएशन के सहसचिव मो याकुब असारी ने आभार व्यक्त किए।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

इसी तरह सोनू निगम की प्रस्तुति पुरस्कृत हुई। संचालन मेले के दौरान नुक्कड़ नाटक के और लाम्बा ने किया। माध्यम से प्लास्टिक दानव द्वारा नागरिकों को अमानक प्लास्टिक की वस्तुओं एवं पन्नी का उपयोग नहीं करने संदेश दिए। इसी तरह सामूहिक नृत्य एवं फैंसी ड्रेस, खेल प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स की उत्साहित भागीदारी रही। कार्यक्रम में महापौर प्रीति सूरी, बीना बनर्जी, सुरेंद्र गुप्ता, सुभाष साहू, शकुंतला सोनी, वंदना यादव, उमेन्द्र अहिरवार की मौजूदगी रही।

हॉकी: ए टीम ने बी टीम को पांच प्वांट्स से दी शिकस्त

सिटी भास्कर, कटनी| हॉकी खेल के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सायना ग्राउंड में दो टीमों के बीच हॉकी मैच खेला गया। स्थानीय खिलाड़ियों की ए एवं बी टीम के बीच हुए मैच में खिलाड़ियों ने प्रतिभा प्रदर्शन के साथ प्वाइंट्स बनाने कवायद की। लगातार प्रयास से ५ प्वाइंट्स से ए टीम ने बी टीम को शिकस्त देकर विजेता बनी। इस दौरान दोनों टीनों ने एक दूसरे को खेल प्रतिभा दिखाने पर अभिवादन किया। इस अवसर पर हॉकी कटनी से मानद सचिव शंकर लाल सोनी, सचिव अनिल दुबे, अंकुर चतुर्वेदी, सहसहचव पिंकी बलयानी, कोच सम्स मोहम्मद, सुनील रजक, सहित हॉकी प्लेयर्स की उपस्थिति रही।

बच्चों ने कविता वाचन में किया प्रतिभा प्रदर्शन

सिटी भास्कर, कटनी| बच्चों ने कविता वाचन

स्वदेश
खंडवा - मुख्य संस्करण
8 Nov 2025

हॉकी के शताब्दी समारोह में बताया इतिहास

स्वदेश समाचार ■ खरगोन

स्टेडियम मैदान पर हॉकी का शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। इसमें नए और पुराने खिलाड़ियों ने शामिल होकर हॉकी के इतिहास से लेकर वर्तमान तक हुए बदलाव, उपलब्धियों को साझा किया। कार्यक्रम में समाज सेवी रवि जायसवाल, पहलवान विक्रम यादव ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय खेल है। इसका इतिहास गौरवशाली है।

भारतीय हॉकी का इतिहास अत्यंत ही स्वर्णिम समय रहा है, साल 1855 में कोलकाता में भारत का पहला हॉकी क्लब बना और यहां से प्रारंभ हुई हुई हॉकी की यात्रा। जिसने एक दिन भारत को दुनिया का चैंपियन बना दिया। आज 7 नवंबर को भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्व पूर्ण हो चुके हैं। कोलकाता से मुंबई पंजाब और देखते ही देखते देशभर में हॉकी खेली जाने लगी और यह भारत का लोकप्रिय खेल बन गया। भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर इसे आज शताब्दी समारोह के रूप में देश भर में मनाया जा रहा है।

मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए कहा कि उन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता है। भारत को ओलंपिक में कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। जिला हॉकी संघ के सचिव इकबाल खान उस्ताद ने बताया कि खरगोन मे 1960 के दशक में प्रोफेसर कल साहब एवं प्रोफेसर सैफुद्दीन शेख साहब ने हॉकी को खरगोन में प्रारंभ किया था। तब बीके भाटिया, रमेशचंद्र गौर, दीक्षित, अब्दुल हमीद, सिद्दीक भाई, शरीफ डिप्टी रेंजर, किशन लालवानीजी, इकबाल मोहम्मद शेख, परसराम डंडीर, भारत जोशी ने हॉकी थाम कर खरगोन की पहली हॉकी की बैच का गौरव प्राप्त किया। तब से लेकर आज तक निर्बाध गति से खरगोन में हॉकी खेली जा रही है। खरगोन में आयोजित होने वाली नवग्रह हॉकी टूर्नामेंट देश के प्रसिद्ध टूर्नामेंट में से एक है। प्रतिवर्ष विद्यालय और महाविद्यालय के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेल कर शहर का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विपिन गौर, वरिष्ठ समाज सेवी पत्रकार मनोज रघुवंशी काका सिंह छाबड़ा, अनिल पांडे, दिनेश पटेल, रामू पवार टेलर, जय राज दागी, संतोष दागी, प्रवीण की रावण राकेश अर्थनकर वर्तमान में खरगोन में हॉकी को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास रहते आज खरगोन में पीजी कॉलेज के मैदान और स्टेडियम मैदान में सैकड़ों विद्यार्थी प्रतिदिन हॉकी खेल रहे हैं या खरगोन के हॉकी के लिए स्वर्णिम उपलब्धि है। इस अवसर पर किरदार निरीक्षक हबीब बाग मिर्जा, अश्विन गुप्ता, जय राज दागी, संतोष दागी, राकेश अर्थंकर, अनिल पांडे आदि मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

मध्य प्रदेश से शुरू हुआ था भारत में हाकी का सफर

राष्ट्रीय खेल के देश में 100 वर्ष पूर्ण होने पर विचार गोष्ठी और मैत्री मैच आयोजित, पूर्व खिलाड़ी हुए सम्मानित

मैत्री हाकी मैच के विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि। © सौजन्य

चिमनबाग मैदान में पूर्व व वर्तमान खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि। © सौजन्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारत को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाने वाली हाकी ने भारत में अपने 100 साल का सफर पूरा किया। इस गौरवशाली यात्रा की शुरुआत मध्य प्रदेश से ही हुई और वैश्विक सफलता व सम्मान दिलाने में भी मध्य प्रदेश अग्रणी रहा। यह भी कम रोचक नहीं है कि सौ साल के इस सफर में इंदौर के प्रकाश हाकी क्लब का अहम योगदान शामिल है।

उक्त विचार प्रदेश में प्रकाश क्लब के सचिव देवकीनंदन सिलावट ने आइएटीवी शिक्षण संस्था में आयोजित प्रदर्शन मैच के दौरान व्यक्त किए। मैत्री मैच में प्रकाश क्लब और आइएटीवी टीम का मुकाबला हुआ। वहीं विवेक विद्या निकेतन टीम से आरआर स्पोर्ट्स की टक्कर हुई। खिलाड़ियों को एमआइसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, पूर्व कुलपति शिवनारायण यादव, शुभारंजन चटर्जी, सरिका शर्मा ने सम्मानित किया गया। वरिष्ठ खिलाड़ी सरवर खान, प्रकाश यादव, ओपी यादव, डा. सुरेश पालवीय, आरके यादव, बालकिशन रैकवार, दिनेश मिश्रा और शम्मी बीरजी भी सम्मानित हुए। संचालन सुनील कुमार पटेल ने किया। आभार अशोक यादव ने माना।

चिमनबाग मैदान पर हुआ आयोजन : इसी तरह हाकी इंदौर संगठन द्वारा चिमनबाग मैदान पर ताहिर हाकी सेंटर के तत्वावधान में मैत्री मैच खेले गए। अहिल्या आश्रम स्कूल ने ताहिर हाकी सेंटर को 1-0 से हराया। पुरुष वर्ग में ताहिर हाकी सेंटर ने हाकी इंदौर संगठन को 2-1 से पराजित किया। पूर्व खिलाड़ी डीके तिवारी, रामनाथ राय, मो. इस्माईल अंसारी, डा. एके दास, शिवकुमार चौहान, बाबुल मजूमदार, दर्शन सिंह, दीपक पटेरिया, माधवराव देशमुख को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी, जिला खेल अधिकारी रीना चौहान और नजमुदीन खुर्शीद थे। संचालन संगठन सचिव किशोर शुक्ला ने किया। मो. याकुब अंसारी ने आभार व्यक्त किया।

ग्वालियर में हुआ था भारतीय हाकी संघ का गठन

हाकी इंदौर संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष देवकीनंदन सिलावट ने बताया कि सभी जगह हाकी के 100 वर्ष की चर्चा है, लेकिन कम ही लोगों को पता है कि सात नवंबर 1925 को ग्वालियर के मोतीमहल में भारतीय हाकी महासंघ का गठन हुआ था। देश के विभिन्न प्रांतों में चल रही हाकी संस्थाओं को एक मंच पर लाया गया और कर्नल ब्रूस टर्नबुल इसके पहले अध्यक्ष चुने गए। इसके अगले ही साल 1926 में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड दौरे पर 21 मैच खेले, जिनमें से 18 में जीत दर्ज की। मेजर ध्यानचंद की स्टिक का दुनिया ने यहीं जादू देखा था। फिर स्वतंत्रता के बाद 1948 में लंदन ओलिंपिक में भारतीय टीम चैंपियन बनी तो टीम के कप्तान प्रकाश क्लब के पद्मश्री किशन लाल थे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी भारतीय खेल की आत्मा, युवा पीढ़ी इसकी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए : विधायक जैन

भास्कर संवाददाता | सागर

इंडियन हॉकी फेडरेशन के 100 वर्ष पूरे होने पर जिला हॉकी संघ सागर द्वारा खेल परिसर स्थित एस्ट्रो टर्फ मैदान पर शताब्दी समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा हॉकी भारतीय खेल की आत्मा है। जब देश किसी अन्य खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान नहीं बना पाया था, तब हॉकी ने भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद की अगुवाई में भारत विश्व विजेता बना और हॉकी ने भारतीय तिरंगे को विश्वभर में ऊंचा किया। हॉकी के 100 वर्ष पूरे होना देश के खेल इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण है। यह आवश्यक है कि युवा पीढ़ी हॉकी की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए। शताब्दी वर्ष के तहत भारत के समस्त प्रदेशों और जिलों में मैत्री मैचों का आयोजन किया गया। बालिकाओं का मैच खेल परिसर की टीम और खेलो इंडिया की टीम के बीच हुआ। जिसमें खेल परिसर की टीम विजयी रही। जबकि पुरुष वर्ग में 56 रेजीमेंट सागर को जिला हॉकी संघ सागर की टीम ने 5-3 से हराया। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी। आभार जिला हॉकी संघ सागर के सचिव मकसूद खान ने माना। कार्यक्रम में राजीव श्रीवास्तव, अजीम खान, मनीष नेमा, गोपीलाल यादव, उमेश चंद्र मौर्य, नफीस खान, मोहम्मद इरशाद, गोलू, मेराज खान, आलोक श्रीवास्तव, 70 वर्षीय खिलाड़ी मुन्ना मास्टर आदि मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी इंडिया का शताब्दी समारोह मनाया गया

सागर. हॉकी इंडिया केशताब्दी समारोह के तहत जिला हॉकी संघ द्वारा खेल परिसर स्थित एस्ट्रो टर्फ मैदान पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन और जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी रहे. विजेता-उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए. समारोह में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी 70 वर्ष के मुन्ना मास्टर राजीव श्रीवास्तव, अजीम खान, मनीष नेमा, गोपीलाल यादव, उमेशचंद्र मौर्य, नफीस खान, मोहम्मद इरशाद, गोलू भाईजान, मेराज खान, आलोक श्रीवास्तव शामिल रहे. जिला हॉकी संघ के सचिव मकसूद खान ने आभार व्यक्त किया.

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी समारोह मनाया गया

हॉकी भारतीय खेल की आत्मा है: विधायक

आचरण संवाददाता

सागर। इंडियन हॉकी फेडरेशन के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला हॉकी संघ सागर द्वारा खेल परिसर स्थित एस्ट्रो टर्फ मैदान पर भव्य शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सागर नगर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन एवं भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा 'हॉकी भारतीय खेल की आत्मा है। जब देश किसी अन्य खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान नहीं बना पाया था, तब हॉकी ने भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद जी की अगुवाई में भारत विश्व विजेता बना और हॉकी ने भारतीय तिरंगे को विश्वभर में ऊँचा किया। उन्होंने आगे कहा कि हॉकी के 100 वर्ष पूरे होना देश के खेल इतिहास का गौरवपूर्ण क्षण है, और यह आवश्यक है कि युवा पीढ़ी हॉकी की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए। शताब्दी वर्ष के अंतर्गत भारत के समस्त प्रदेशों और जिलों में मैत्री मैचों का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में सागर में दो रोमांचक मैच खेले गए

बालिकाओं का मैच:

खेल परिसर की टीम और खेलो इंडिया की टीम के मध्य मुकाबला हुआ, जिसमें खेल परिसर की टीम विजयी रही।

पुरुष वर्ग का मैच:

56 रेजीमेंट सागर और जिला हॉकी संघ सागर के बीच हुआ रोमांचक मैच जिला हॉकी संघ सागर की टीम ने 5-3 से जीतकर अपने नाम किया,मुख्य अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही हॉकी खेल के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

जिला हॉकी संघ सागर के सचिव मकसूद खान ने सभी खिलाड़ियों, अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

कार्यक्रम में सागर शहर के वरिष्ठ एवं सीनियर हॉकी खिलाड़ियों की उपस्थिति विशेष रही, जिनमें राजीव श्रीवास्तव, अजीम खान, मनीष नेमा, गोपीलाल यादव, उमेश चंद्र मौर्य, नसीम खान, मोहम्मद इसरार, गोलू भाईजान, मेराज खान, आलोक श्रीवास्तव तथा 70 वर्षीय वरिष्ठ खिलाड़ी मुन्ना मास्टर विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी खिलाड़ियों ने कहा कि यह गौरव की बात है कि आज सागर के बच्चे एस्ट्रो टर्फ मैदान पर खेल रहे हैं, जो कभी केवल बड़े शहरों में ही संभव था। हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन सागर में हर्ष और उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। मैदान पर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और नागरिकों का उत्साह देखने लायक था। यह आयोजन न केवल हॉकी खेल के गौरवशाली इतिहास को याद करने का अवसर था, बल्कि नई पीढ़ी को खेल भावना से जोड़ने की प्रेरणा भी बना।

सागर सिटी

सागर संस्करण

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

शुल्क नहीं है।

हॉकी के 100 साल पूरे होने पर खिलाड़ियों का सम्मान

भोपाल • हॉकी भोपाल द्वारा भारत में हॉकी के 100 वर्ष होने पर भोपाल के वेटरन हॉकी प्लेयर ,सीनियर्स, जूनियर्स और राष्ट्रीय,अंतराष्ट्रीय स्तर के 150 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया है। हॉकी भोपाल ने हॉकी प्लेयर्स और हॉकी से जुड़ी हस्तियों के लिए इस तरह का आयोजन पहली बार ऐशबाग स्टेडियम में आयोजित किया। कार्यक्रम में हॉकी भोपाल के जनरल सेक्रेटरी ओलंपियन सैय्यद जलाल उद्दीन रिजवी सहित अन्य खिलाड़ी इस मौके पर मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

HOCKEY MADHYA PRADESH

HOCKEY INDIA

HOCKEY MADHYA PRADESH

100 Years of Hockey in India

Centenary Celebration - 7 November 2025

HOCKEY INDORE ASSOCATION (M.P.)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

कार्यक्रम कर दोपहर 1:00 बजे

की गई।

इस अवसर पर श्री भाग्येश्वर

सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

की समुचित व्यवस्था नहीं है। कई बार हड्डी टूटी अवस्था में मरीजों को जमीन पर बैठना पड़ता है, जो

हॉकी मैच का आयोजन हुआ

नीमच, 8 नवम्बर (नप्र)। भारत में हॉकी की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर नीमच में 7 नवम्बर को हॉकी मैदान पर खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर और फीडर सेंटर के खिलाड़ियों के बीच हॉकी मैच का आयोजन जिला हॉकी संघ नीमच के समन्वय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत हॉकी खिलाड़ियों से परिचय के साथ हुई, जिसमें उपस्थित मुख्य अतिथि जिला हॉकी संघ के सचिव बाबूराम छेत्री, कोषाध्यक्ष इम्तियाज खान, धर्मेंद्र गुरुग, फीडर सेंटर कोच परवेज खान खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर कोच प्रियंका जौहरी और सीनियर खिलाड़ी मौजूद थे। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में फीडर सेंटर और बालक वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर के टीम के खिलाड़ी विजेता रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला हॉकी संघ के सचिव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में ज़िले के छात्र-खिलाड़ी, प्रशिक्षक और खेलप्रेमी भी उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Shalendra Kumar Jain

2h ·

राष्ट्रीय खेल हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गौरवशाली शताब्दी समारोह के अवसर पर "खेल परिसर हॉकी टर्फ पर आयोजित "हॉकी मैच" में सम्मिलित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। हॉकी सिर्फ एक खेल नहीं, ये हमारी पहचान और गर्व की अमर विरासत है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

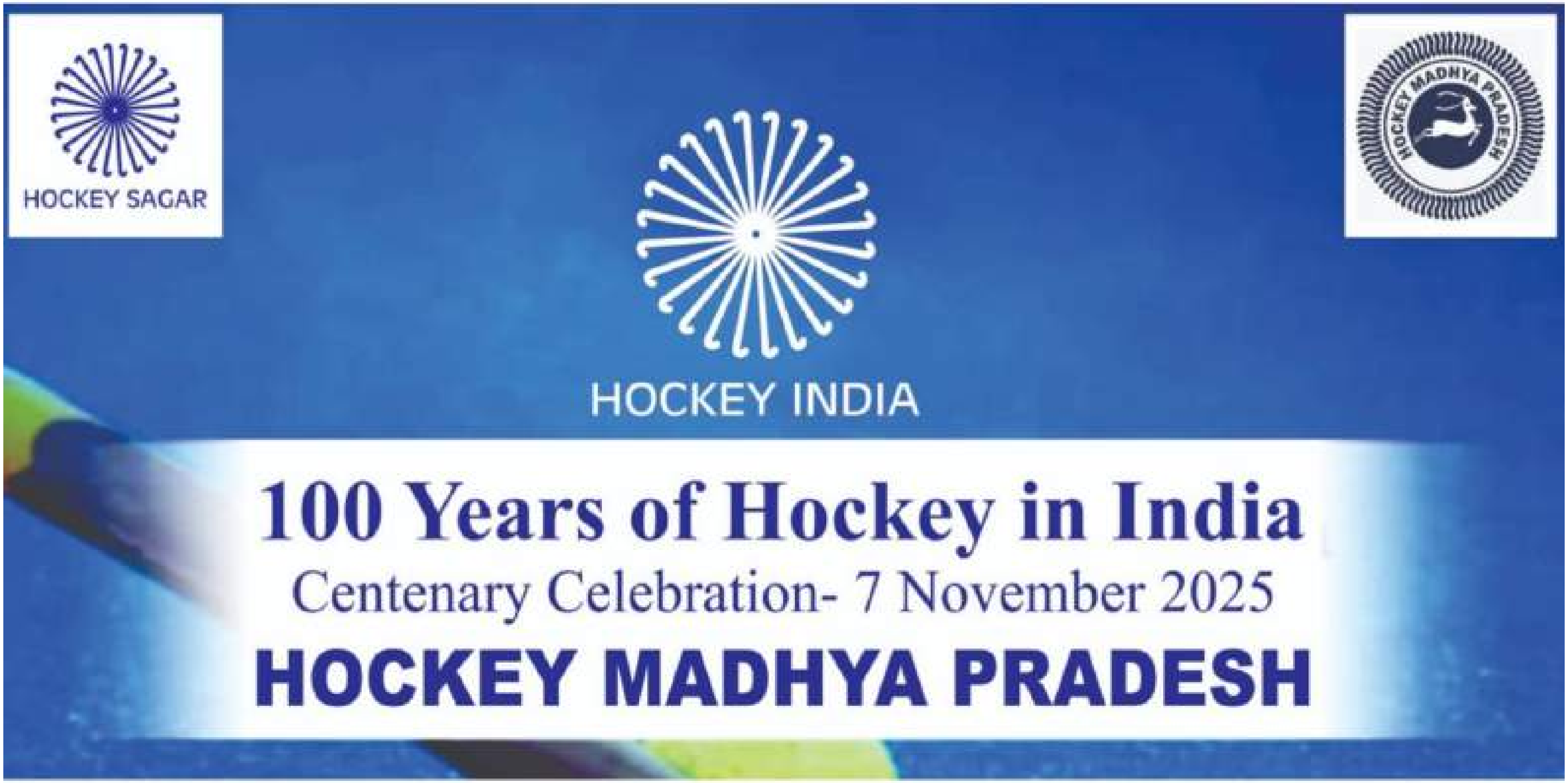

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

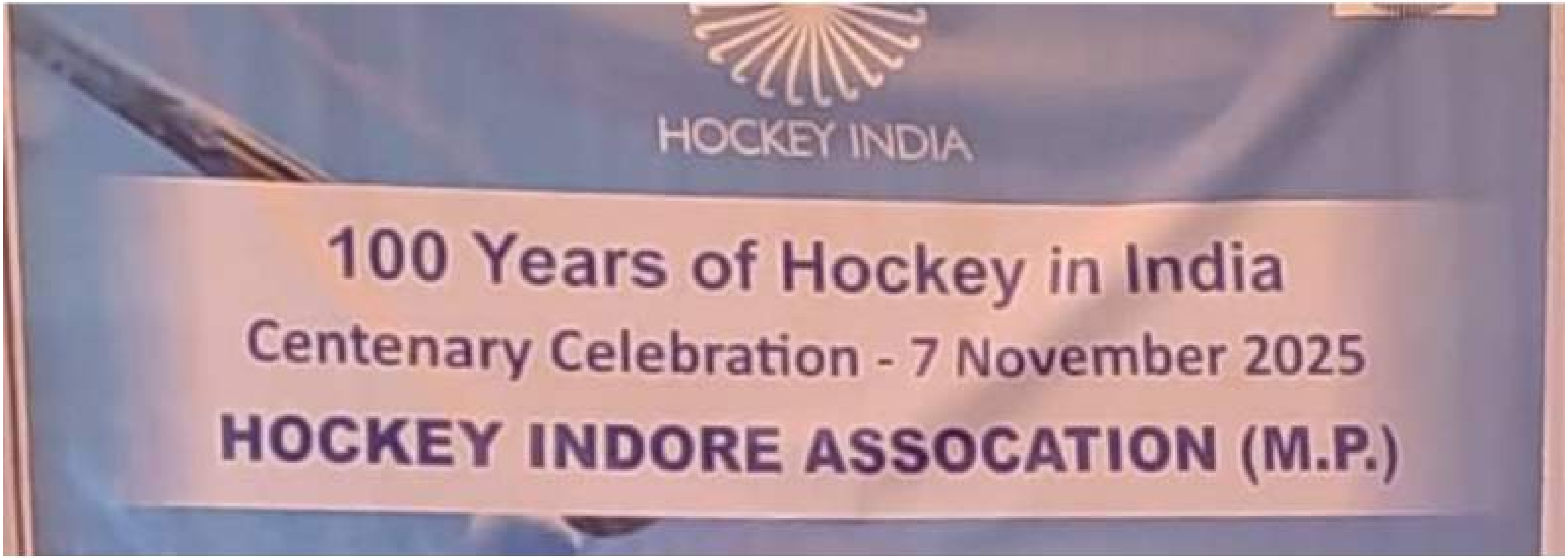

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

उत्साहपूर्वक मनाया गया भारतीय हॉकी का 100वां स्थापना दिवस

बांधवभूमि, उमरिया

भारतीय हॉकी के स्वर्णिम 100 वर्ष पूर्ण होने पर स्थानीय स्टेडियम में हॉकी एसोसिएशन उमरिया द्वारा गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विशेष मैच आयोजित हुआ। इससे पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, हॉकी एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह ने महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। मैच मे खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया साथ ही भारतीय हॉकी की उपलब्धियों को याद किया। हाकी संघ के सचिव संतोष सिंह ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर त्रिभुवन प्रताप सिंह, ठाकुरदास सचदेव, अमृतलाल यादव, आसफ खान, विजेंद्र सिंह अब्बू, अभिनव सिंह, विनीत सिंह, राजीव सिंह, संजय पांडे, अयाज खान सहित प्रशिक्षक संजय, प्रवीण, सुनील व बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय मे जिला स्तरीय युवा उत्सव संपन्न

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

रेक उपस्थित थे।
कलेक्टर श्री मीना ने इस अवसर पर बीटेक करने का अवसर भी दे रही हैं। समाधान

..य सत्र सम्पन्न

..। के परिष्करण में संसाधनों ..य भी होता है,ऐसी कई ..टियों से बचने हेतु आवश्यक ..। किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम .. से आए मुख्य अतिथि एल. .. द्वारा सभी प्रभागियों को ..के साथ आंकलन कार्य करने ..हित किया गया। प्रशिक्षण सत्र .. उद्बोधन में उप संचालक द्वारा ..तिथि एल.कृष्णमूर्ति के प्रति ..धिवगढ़ प्रबंधन की ओर से ..कट किया गया एवं सभी ..यों को होने वाले आंकलन .. अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं। .. एवं वन संरक्षक डॉ अनुपम ..भत्र वन मंडलों से आये वन ..रियों के साथ बाघ गणना ..6 की तैयारियों की समीक्षा की ..र्वक सम्पन्न होने हेतु आवश्यक ..दए एवं सभी अधीनस्थों को यह .. पूर्ण समर्पण एवं गंभीरता से ..दर्शन दिया। साथ ही, डॉ सहाय .. स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के .. आयोजन करने में महत्वपूर्ण ..ने वाले वन परिक्षेत्र अधिकारी ..श्री जैन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी .. की सराहना भी की।

भारतीय हाकी के सौ वर्ष पूर्ण होने पर अजय सिंह ने दी बधाई

उमरिया (स्वतंत्र मत)। हाकी एशोशिएसन उमरिया के अध्यक्ष अजय सिह ने भारतीय हाकी के सौ वर्ष पूर्ण होने की उमरिया जिले के हाकी खिलाड़ियों, खेल प्रेमी जिले के जनता को बधाई दी है। अजय सिंह ने कहा कि आज भारतीय हाकी निरंतर सौ बर्षो तक उच्चतम विश्व के नक्से में रह कर इतिहास कायम किया हैं।

सौ वर्ष पूर्ण होने के एतिहासिक सफर के उपलक्ष्य में उमरिया जिले के खिलाड़ियों का सानदार सो मैच सुवह 8 वजे से आरंभ होगा। उक्त प्रतियोगिता में अभ्यासरत खिलाड़ियों का जौहर देखने को मिलेगा। इस दौरान खिलाडियों के बीच हॉकी एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अजय सिंह खिलाड़िये ये रूबरू होगे। सायं काल बालिका वर्ग के खिलाड़िओं का भी, प्रदर्शन मैच खेला जाएगा।

खनिज ..
कर परि..

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार .. ने जिले मे खनिज के अ.. उत्खनन, परिवहन एवं भंड.. पर कार्यवाही किए जाने के नि.. प्रभारी अधिकारी को दिए .. खनिज अधिकारी डॉ. विद्याव.. तिवारी, सहायक खनि. अधिक.. दिवाकर चतुर्वेदी, खनि. निरीक्ष.. प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभा.. खनि. निरीक्षक एन.एस.आर्मो .. टीम द्वारा विगत दिवस तहसी.. बिलासपुर अंतर्गत ग्राम कुदरा .. खनिज पत्थर का उत्खनन क.. परिवहन करते हुये पाये जाने प.. वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 54 .. 7624 जिसके वाहन मालिक.. भारत सिंह निवासी ग्राम निगहरी.. तहसील मानपुर अंतर्गत ग्राम.. रकशा से खनिज गिट्टी का.. परिवहन करते हुए पाए जाने पर.. वाहन ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 54 ए..

..दी गई समझाईश, 19

..का ..

कार्यालय नगर ..

क्रमांक / 2360/न.परि./2025

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष मैच का आयोजन

बांधवभूमि, उमरिया

भारतीय हॉकी (हॉकी इंडिया) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे जिले में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हॉकी एसोसिएशन उमरिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने जिले के सभी खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और नागरिकों को इस ऐतिहासिक अवसर की बधाई दी है। अजय सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी ने इन सौ वर्षों में विश्व स्तर पर अपना परचम लहराते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। इसी खुशी को बांटने के लिए 7 नवम्बर को स्थानीय स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन मैच का आयोजन किया जाएगा। यह मैच शाम 4 बजे से शुरू होगा, जिसमें अभ्यासरत खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान हॉकी एसोसिएशन अध्यक्ष अजय सिंह खिलाड़ियों से रूबरू भी होंगे। साथ ही बालिका वर्ग की खिलाड़ी भी अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी। कार्यक्रम को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी शताब्दी समारोह 7 नवंबर 2025 हॉकी सिवनी (म.प्)

-:प्रतिवेदन :-

आज दिनांक 7 नवंबर 2025 को प्रातः 8:00 से 12:00 तक मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम सिवनी में भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शानदार आयोजन किया गया है। उक्त आयोजन में लगभग 250 बच्चों ने सहभागिता दिखाई है। प्रताप 8 बजे से महिला हॉकी प्रदर्शन मैच के साथ-साथ प्रातः 9:30 से पुरुष प्रदर्शन मैच आयोजित किया गया।

मैच के स्कोर शीट एवं फोटोग्राफ सलग्न है। उक्त अवसर पर श्री आनंद शर्मा जी सांसद प्रतिनिधि एवं श्री बाबा पांडे अध्यक्ष जन भागीदारी समिति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिवनी एवं श्रीमती मनु धुर्वे, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उक्त आयोजन में हॉकी सिवनी के समस्त पदाधिकारी एवं वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे। समापन के समय उपस्थित सभी खिलाड़ियों एवं उपस्थित अतिथियों को फल एवं मिष्ठान वितरित किए गए।

अध्यक्ष

हॉकी सिवनी(म. प्र.)

realme Notes

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

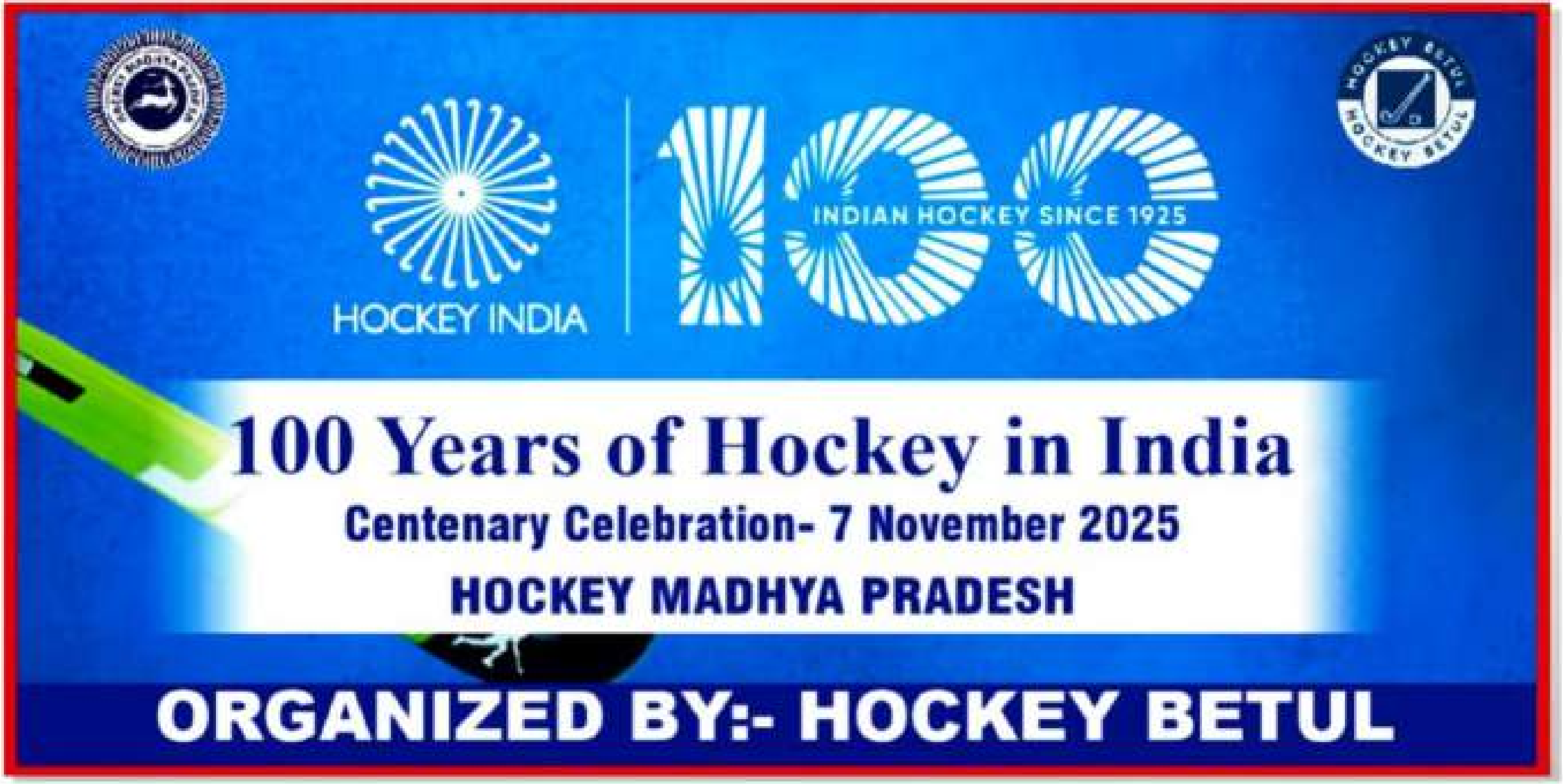

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

HOCKEY INDIA

INDIAN HOCKEY SINCE 1925

HOCKEY MADHYA PRADESH

भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष के अवसर पर

HOCKEY BETUL

जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2025

(महिला एवं पुरुष वर्ग)

दिनांक 05 नवंबर से 7 नवंबर तक

स्थान :- मेजर ध्यान चंद हॉकी स्टेडियम,बेतूल

आयोजक

हॉकी बैतूल(म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

HOCKEY MADHYA PRADESH

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

HOCKEY BETUL

HOCKEY BETUL

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक भास्कर बेतुल भास्कर 08-11-2025

शनिवार को शक्ति नगर माथ धाम में किया जाएगा।

हॉकी के 100 साल पूरे होने पर मनाया शताब्दी वर्ष

बैतूल| मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को हॉकी के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी वर्ष मनाया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित कर विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया। वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। जिला हॉकी संघ के सचिव जोगेंद्र सिंह तोमर ने बताया आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

फिर स्वर्णिम ऊंचाई तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दीइके, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय जनादेश
e-Edition
बैतूल, शनिवार 08 नवम्बर 2025

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

» बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

» तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिनकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार युवा हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा चयनित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. भूषण यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अहलूवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगदीप सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, [illegible], शैलेश [illegible], सुधीर जैन, पद्माकर शुक्ला, [illegible], [illegible], हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

दैनिक अनोखा तीर
निशाने पर हर खबर

08 Nov 2025 - Page 7

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

अनोखा तीर, बैतूल।

जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकती थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अहलूवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जोगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रबाण

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप में हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अहलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

- आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

- हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अरुण वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश मुकोले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एमके, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

- हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास
- तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

दैनिक ज्ञान संवाद

बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिनकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह

अनुशासित ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और जोश को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर – जिला हॉकी संघ के सचिव नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को भावना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

- हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प – इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अनावरण इरावदे, शैलेश मुकाते, सुधीर जैन, पद्माकर शुक्ला, राजमणि ठेकडे, बाबूराव टोकुरे, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेले गए मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

बैतूल,नामी समन्वय। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अहलूवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दोड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया।

मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

- आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।- हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा : जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल, देशबन्धु। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झारबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

गुरुमंत्र रिपोर्टर, बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है। इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक भास्कर बेतुल भास्कर 08-11-2025

हॉकी के 100 साल पूरे होने पर मनाया शताब्दी वर्ष

बैतूल| मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को हॉकी के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी वर्ष मनाया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित कर विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया। वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

फिर स्वर्णिम ऊंचाइ तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रबाण

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह आहलूवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

– आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को भावना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

– हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अरुण वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अन्नासाहब इरवडे, शैलेश मुकोले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एथनी, बाबूराव टीठके, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेलता हर मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

गुरुमंत्र रिपोर्टर, बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है। इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

- आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।-

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा : जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल, देशबन्धु। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबडे, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंथनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है। इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

बैतूल,ताप्ती समन्वय। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में चला जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार सुबह हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ।

इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा नवोदित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव जगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक हैं। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, देवेन्द्र पाटिल, अजाबराव झरबड़े, शैलेश गुबरेले, सुधीर जैन, पद्मकांत शुक्ला, राजमणि एंधनी, बाबूराव दौड़के, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जुनून की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया।

मैदान में खेला गया मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय जनादेश
e-Edition
बैतूल, शनिवार 08 नवम्बर 2025

हॉकी के 100 साल की गौरवगाथा, जहां पसीने से लिखा गया था स्वर्णिम इतिहास

» बैतूल के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खिलाड़ियों ने मनाया भारतीय हॉकी का शताब्दी वर्ष

» तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। जब बात होती है भारतीय हॉकी की, तो दिल अपने आप मेजर ध्यानचंद की यादों में खो जाता है। वही जादूगर, जिसकी स्टिक के आगे दुनिया झुकी थी, वही खेल जिसने भारत को ओलंपिक स्वर्ण दिलाया था। इसी ऐतिहासिक सफर के 100 वर्ष पूरे होने पर बैतूल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार [illegible] हॉकी बैतूल द्वारा भव्य रूप से हॉकी शताब्दी वर्ष मनाया गया। तीन दिवसीय जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिताओं का समापन इसी अवसर पर हुआ। इस अवसर पर हॉकी बैतूल द्वारा चयनित खिलाड़ियों को किट वितरित की गई और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरुष वर्ग में टीम स्व. शुभम यादव को उपविजेता घोषित किया गया, वहीं टीम स्व. बलबीर सिंह अहलुवालिया ने विजेता बनकर बैतूल का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और संघर्ष को देखकर दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया।

आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर

जिला हॉकी संघ के सचिव [illegible] सिंह तोमर ने बताया कि आज का दिन भारतीय हॉकी के इतिहास में मील का पत्थर है। 7 नवंबर 1925 को भारतीय हॉकी की स्थापना हुई थी और मात्र तीन वर्ष बाद 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक जीतकर विश्व को दिखा दिया था कि यह देश सिर्फ खेलता नहीं, खेल को साधना की तरह जीता है।

इसके बाद भारतीय हॉकी ने इतिहास रचा लगातार ओलंपिक स्वर्ण, विश्व विजेता का खिताब और फिर 2020 व 2024 में मिले कांस्य पदक, जो इस खेल की नई चमक है। तोमर ने कहा कि हॉकी खेल भारत की पहचान है, यह हर भारतीय खिलाड़ी के दिल की धड़कन है।

हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

इस अवसर पर हॉकी संघ के अध्यक्ष [illegible] शर्मा, देवेन्द्र पाटिल, [illegible], [illegible], सुधीर जैन, [illegible] शुक्ला, राजमणि [illegible], [illegible] ठाकुर, हॉकी संघ के पदाधिकारी तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हॉकी के गौरवशाली 100 वर्षों को नमन किया और भविष्य में भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैतूल में यह आयोजन एक ऐसी भावना थी, उस जादूगर की, जिसने भारत को हॉकी में विश्व गुरु बनाया। मैदान में खेला गया हर मैच भारतीय खेल इतिहास के सौ साल पूरे होने की एक झलक थी, जो हर खिलाड़ी की आंखों में चमक बनकर झलक रही थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

(GIRLS) Toss Win, M.P. Academy

#HockeyInvites

100 Years of Hockey in India
Centenary Celebration - 7 November 2025
Organised by- Zila Hockey Samiti Gwalior

FIH

MATCH REPORT

DATE	TIME	POOL	VENUE	PITCH	MATCH NO.
7/11/25	10:30 AM		KAMPOO	1	02

Country: TEAM M.P. ACADEMY — BLUE

RESULT	
Final	01 - 00
Third Period	01 - 00
Half-time	00 - 00
First Period	00 - 00
Shoot-out	-

Country: TEAM DHA. GWL. — White

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	15	SANSKRITI			
X	02	DIVYA			
X	08	RITIKA			
X	05	AANCHAL			
X	13	SNEHA			
	03	MANISHA			
X	06	CHANCHAL			
5	16	MITALI			
X	01	APOORVA (VK)			
8	11	RADHIKA			
X	07	KRISHNA			
X	12	KAJAL			
		RENU			
5	14	RUBI			
5	10	SANIYA			
	09	SWATI			
X	04	UPASANA			

Coach: AKANSHA
TEAM MANAGER: - PRETI YADAV
UMPIRE: SONAM TIWARI
JUDGE: DEEPAK
TECHNICAL OFFICER: DEVKINANDAN

Time On	Shirt No.	Names	Green	Yellow	Red
X	19	PRATIBHA			
X	16	ADITI (CK)			
9	17	SONIYA KUSHWAHA			
X	05	SEEMA			
X	15	LOVEDEEP			
9	10	AYUSHI			
X	23	SONIYA K.			
5	24	NISHI			
X	26	SADHNA			
5	29	PALAK			
	14	RUPALI			
X	09	KARISHMA			
	17	SONAM			
X	04	DIKSHA			
X	07	ANJALI			
X	08	SAKSHI			
X	12	BHUMIKSHA			
5	10	KHUSHI			

Coach: RENU
TEAM MANAGER: - ASHRITA THAKUR
UMPIRE: RITU ANAMIKA
JUDGE: TARUN -
RESERVE UMPIRE: RAHEES

Country	Minute	No.	Action	Score	Country	Minute	No.	Action	Score	Country	Minute	No.	Action	Score
M.P.A	35	13	FG	1 - 0					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-
				-					-					-

FG – Field Goal / PC – Penalty Corner / PS – Penalty Stroke

REMARKS

Technical Delegate

M.P. ACADEMY TEAM Won by 01-00 Goal.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

(Reg. No. 02/42/01/132/109)

Hockey Gwalior District

Affiliated Hockey Madhya Pradesh

President :
V. K. Roman (I.N.U.)
Kudalkar Ki Goth, Roman Bada
Kampoo, Lashkar, Gwalior
Mob. : 8208188863

General Secretary :
Vinod Katare (Advocate)
Mob. : 9827389916, 9131516156
Katare Bhavan, Ghas Mandi
Dhodapur, Gwalior (M. P.) 474003

Hone. Treasurer :
Madan Lal Gupta
Near Mote Ganesh
Chawri Bazar, Lashkar, Gwalior
Mob. : 9425119394

No. Date.............................

भारतीय हॉकी की 100 वी वर्षगांठ पर जिला हॉकी ग्वालियर समिति ने आयोजन किया

आयोजन सचिव एवं समिति के मानसेवी सचिव विनोद कटारे के अनुसार आज मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी मैदान पर आयोजन किया गया जिसमें ग्वालियर हॉकी के दो प्रदर्शन मैच हुए जो जो ग्वालियर पुरुष ब्लू टीम एवं रेड टीम के मध्य हुआ जिसमें ब्लू टीम ने रेड टीम को 2-1 गोल से जीत कर बाजी मारी महिला वर्ग में मुकाबला ग्वालियर ब्लू एवं व्हाइट टीम के मध्य हुआ जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में ब्लू टीम ने व्हाइट टीम को 1-0 गोल से जीतकर विजय हासिल की विजेता , एवं उपविजेता टीमों को कप एवं मेडल , प्रमाण पत्र प्रदान किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय डॉ. शोभा सिकरवार जी महापौर ग्वालियर ने किया आज की अध्यक्षता माननीय श्री सुहेल अली जी पूर्व I A S कलेक्टर ने की विशेष अतिथि के रूप में ओलंपियन द्रोणाचार्य अवॉर्डी शिवेंद्र सिंह चौधरी की माता श्री श्रीमती राधा देवी चौधरी थी सभी अतिथियों का बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया इस अवसर पर वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी सम्मान में श्री नारायण प्रसाद शर्मा ,आबा काकडे श्री राधा कृष्ण अग्रवाल प्रोफेसरश्री बृजकिशोर कोच एवं प्रशिक्षक पुरुष एवं महिला सम्मान में वंदना उइके चीफ कोच अकैडमी, श्री शत्रुघ्न सिंह जादौन, श्री देवकीनंदन कुशवाहा जी, आकांक्षा जी, ग्वालियर में जन्मे पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों का सम्मान ओलंपियन द्रोणाचार्य अवॉर्डी शिवेंद्र सिंह चौधरी, श्री लव कुमार, श्री अर्जुन शर्मा महिला वर्ग में करिश्मा यादव, इशिका चौधरी, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया खेल पत्रकार सम्मान में राजदिल शिवहरे नई दुनिया, राहुल पत्रिका, रईस कुरैशी राज एक्सप्रेस ऑफिशियल में रईस कुरैशी अंपायर दीपक बाथम अंपायर, सोनम तिवारी अंपायर ,रितु, अनामिका तिर्की अंपायर टेक्निकल ऑफीसर जय सिंह, सम्मान में सभी को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया कार्यक्रम का संचालन हॉकी कोच एवं नेशनल अंपायर कमल किशोर ने किया इस अवसर हसरत कुरैशी उपाध्यक्ष अ.रा.हॉकी खिलाड़ी,श्री मदन गुप्ता कोषाध्यक्ष, ओमवीर सिंह आईटीएम यूनिवर्सिटी, करन जैन, दर्शन मिश्रा ,नारायण माहौर,महेश अग्रवाल, प्रताप सिंह, प्रोफेसर के .के कल्याणकर प्रोफेसर प्रयाग शर्मा , शिववीर सिंह सचिव ओलंपिक एसोसिएशन, सुधीर चतुर्वेदी, राजेंद्र मिश्रा, उपस्थित थे

भवदीय

विनोद कटारे मानसेवी सचिव जिला हॉकी
समिति ग्वालियर

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

100 वर्ष पूर्ण होने पर गौरवशाली शताब्दी समारोह पर खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

नवभारत,दमोह। राष्ट्रीय खेल हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गौरवशाली शताब्दी समारोह के अवसर पर हॉकी टर्फ स्टेडियम, दमोह में सम्मिलित होकर जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। हॉकी सिर्फएक खेल नहीं, ये हमारी पहचान और गर्व की अमर विरासत हैं।राज्यमंत्री लखन पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हॉकी ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है, युवा खिलाड़ियों को इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी ने कहा हॉकी हमारे देश की शान है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाया है। युवा खिलाड़ी समर्पण और अनुशासन से खेल भावना को आगे बढ़ाएँ। विधायक जयंत कुमार मलैया ने कहा कि खेल अनुशासन, एकता और राष्ट्रप्रेम का माध्यम है, हमें हॉकी के स्वर्णिम इतिहास पर गर्व है। इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, पूर्व मंत्री व दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, महेश पटैल, राघवेंद्र परिहार, भरत यादव, रमाकांत वाजपेयी सहित अन्य जनप्रतिनि धिगण, गणमान्य नागरिक एवं खिलाड़ियों की उपस्थिति रही।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय हाकी शताब्दी वर्ष का आयोजन संपन्न

कार्यक्रम के दौरान मौजूद सांसद व अन्य। • नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, दमोहः भारतीय हाकी के 100 वर्ष होने पर सात नवंबर को हाकी टरफ मैदान पर बालिका एवं बालक वर्ग का प्रदर्शन मैच हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक जयंत मलैया, मंत्री लखन पटेल, सांसद राहुल सिंह की उपस्थिति में हुआ। विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेई, योजना मंडल सदस्य पार्षद कविता राय, साहित्यकार नरेंद्र दुबे, अनवर भाई, राघवेंद्र सिंह, भूपेंद्र यादव, खेल अधिकारी सेफ उल्ला सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की उपस्थिती रही। महिला पुरुष मैचों में हाकी दमोह यलो एवं ग्रीन टीम एक-एक गोल से विजय रही। अतिथियों का स्वागत राजेश सालोमन, हरिशंकर यादव, भगवान सिंह, विजय ठाकुर, राजीव खोसला, अंसार, संतोष सेन, राजकुमार, राजेन्द्र, विकास जैन, तरुण इमरान, विवियन, शाकिर, अल्ताफ, देवेन्द्र आदि ने किया। भारतीय हाकी के गौरवशाली इतिहास को रखते हुए सांसद राहुल सिंह ने ध्यानचंद से लेकर हरमन प्रीत सिंह तक नेतृत्व में भारतीय हाकी टीम की उपलब्ध की जानकारी साझा की। उन्होंने बुंदेलखंड की बेटी क्रान्ति के विश्व विजेता बनने पर मंच की ओर से बधाई संदेश दिया। मंत्री लखन पटेल ने खिलाड़ी जीवन के संस्मरण साझा किए, भारतीय हाकी तथा हाकी दमोह के प्रयासों की सराहना की तथा शासन से हर संभव मदद दिये जाने बात कहीं। हाकी टरफ मैदान की सौगात देने वाले लोकप्रिय विधायक जयंत मलैया ने सभी को अपना आशीर्वाद देते हुए निरंतर प्रयास करने प्रेरित किया, इसके बाद नरेंद्र दुबे, कविता राय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर हाकी दमोह को गर्व प्रदान करने वाले कोच रियाज, शैलेन्द्र, यशवंत, मुहीर, शामिया, शैलजा, कार्तिक को सम्मानित किया। भारतीय हाकी शताब्दी समारोह के स्मृति चिन्ह अतिथियों को भेंट किए। ललित नायक ने आयोजन की प्रस्तावना रखी, संचालन शेख अंसार और आभार हरिशंकर ने माना।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय हॉकी शताब्दी वर्ष का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

भारतीय हॉकी के सो वर्ष होने पर हॉकी टरफ मैदान पर बालिकाओ एवं बालक वर्ग का प्रदर्शन मैच का आयोजन हुआ। कार्यक्रम मे वरिष्ठ विधायक जयंत मलैया, मंत्री लखन पटेल, सासद राहुल सिंह की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि मंडल अध्यक्ष वाजपेई जी, मंडल सदस्य पार्षद कविता राय, साहित्यकार नरेंद्र दुबे, अनवर भाई, राघवेंद्र सिह, भूपेंद्र यादव, खेल अधिकारी सेफ उल्ला सहित बडी संख्या मे वरिष्ठ कनिष्ठ खिलाडियो की उपस्थिती रही। महिला पुरुष मैचो मे हॉकी दमोह यलो एवं ग्रीन टीम एक-एक गोल से विजय रही। अतिथियो का स्वागत राजेश सालोमन, हरिशंकर यादव, भगवान सिंह, विजय ठाकुर, राजीव खोसला, असार संतोष सेन, राजकुमार, राजेन्द्र विकास जैन, तरूण इमरान, विवियन शाकिर, अल्ताफ देवेन्द्र आदि ने किया। भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास को रखते हुए सासद राहुल सिंह ने ध्यानचंद जी लेकर हरमन प्रीत सिंह तक नेतृत्व मे भारतीय हॉकी टीम की उपलब्ध की जानकारी साझा कि उन्होने बुन्देलखण्ड की बेटी क्रान्ति के विश्व विजेता बनने पर मंच की ओर से बधाई संदेश दिया। मंत्री लखन पटेल ने अपने खिलाडी जीवन के संस्मरण साझा किये। भारतीय हॉकी तथा हॉकी दमोह के प्रयासो की सराहना की तथा शासन से हर संभव मदद दिये जाने आव्हान किया। हॉकी टरफ मैदान की सौगात देने वाले लोकप्रिय विधायक जयंत मलैया जी ने सभी को अपना. आशीर्वाद देते हुए निरंतर प्रयास करने प्रेरित किया नरेंद्र दुबे कविता राय ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर हॉकी दमोह को गर्व प्रदान करने वाले कोच रियाज शैलेन्द्र यशवंत मुहीद शामिया शैलजा कार्तिक को सम्मानित किया हॉकी दमोह ने भारतीय हॉकी शताब्दी समारोह के स्मृति चिन्ह सभी अतिथीयो भेट किये ललित नायक ने आयोजन की प्रस्तावना रखी संचालन शेख असार आभार हरिशंकर ने माना।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

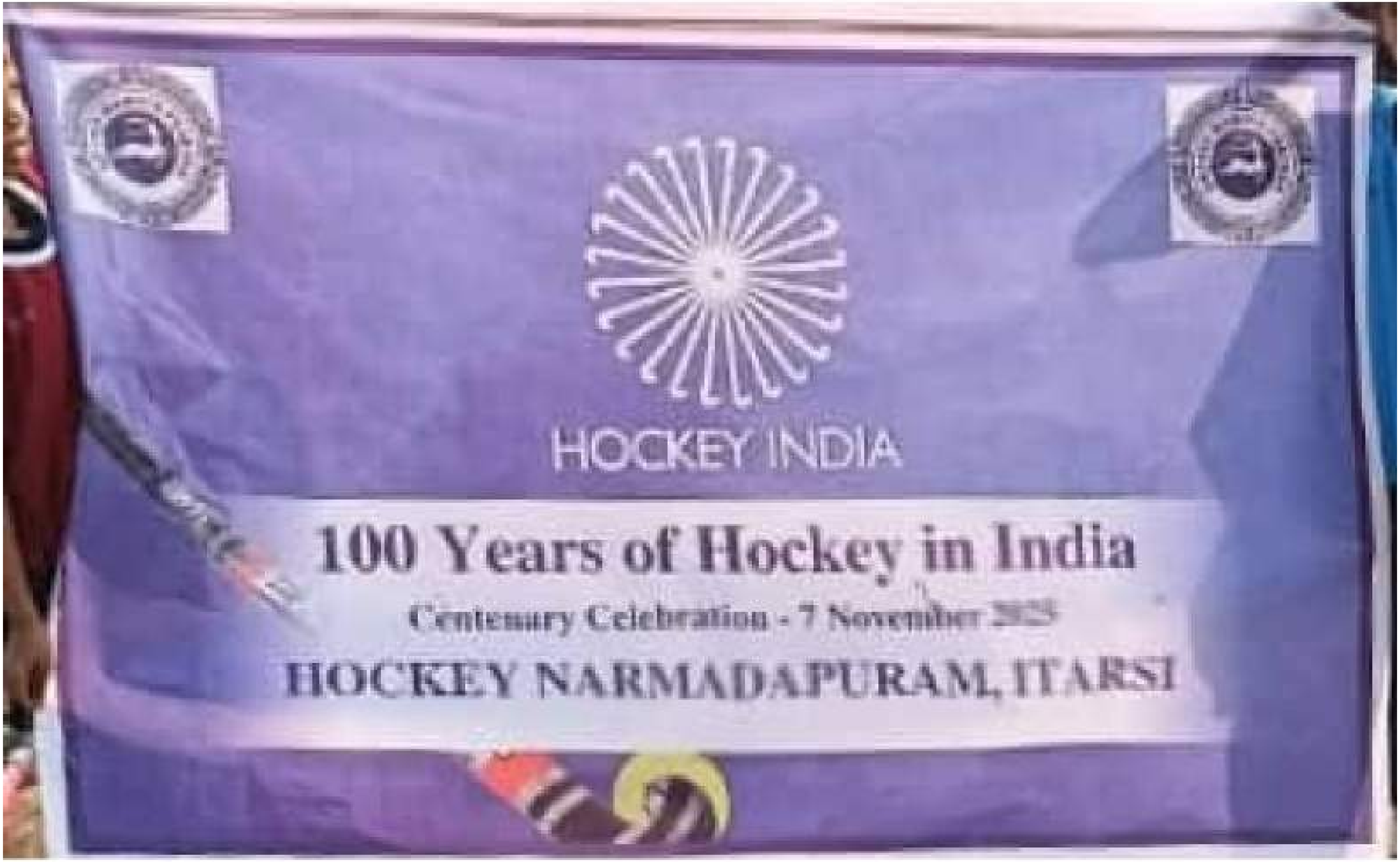

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

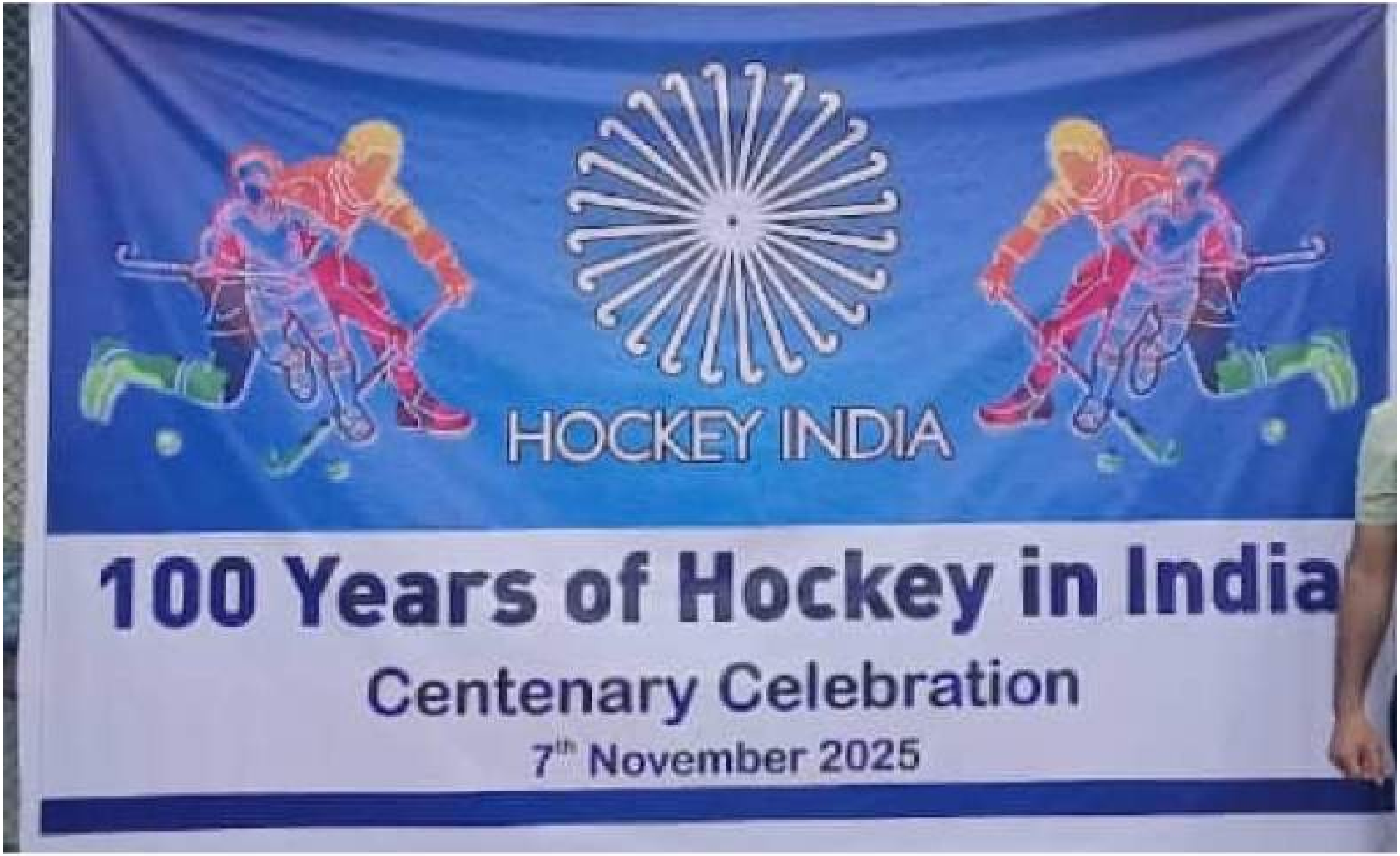

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

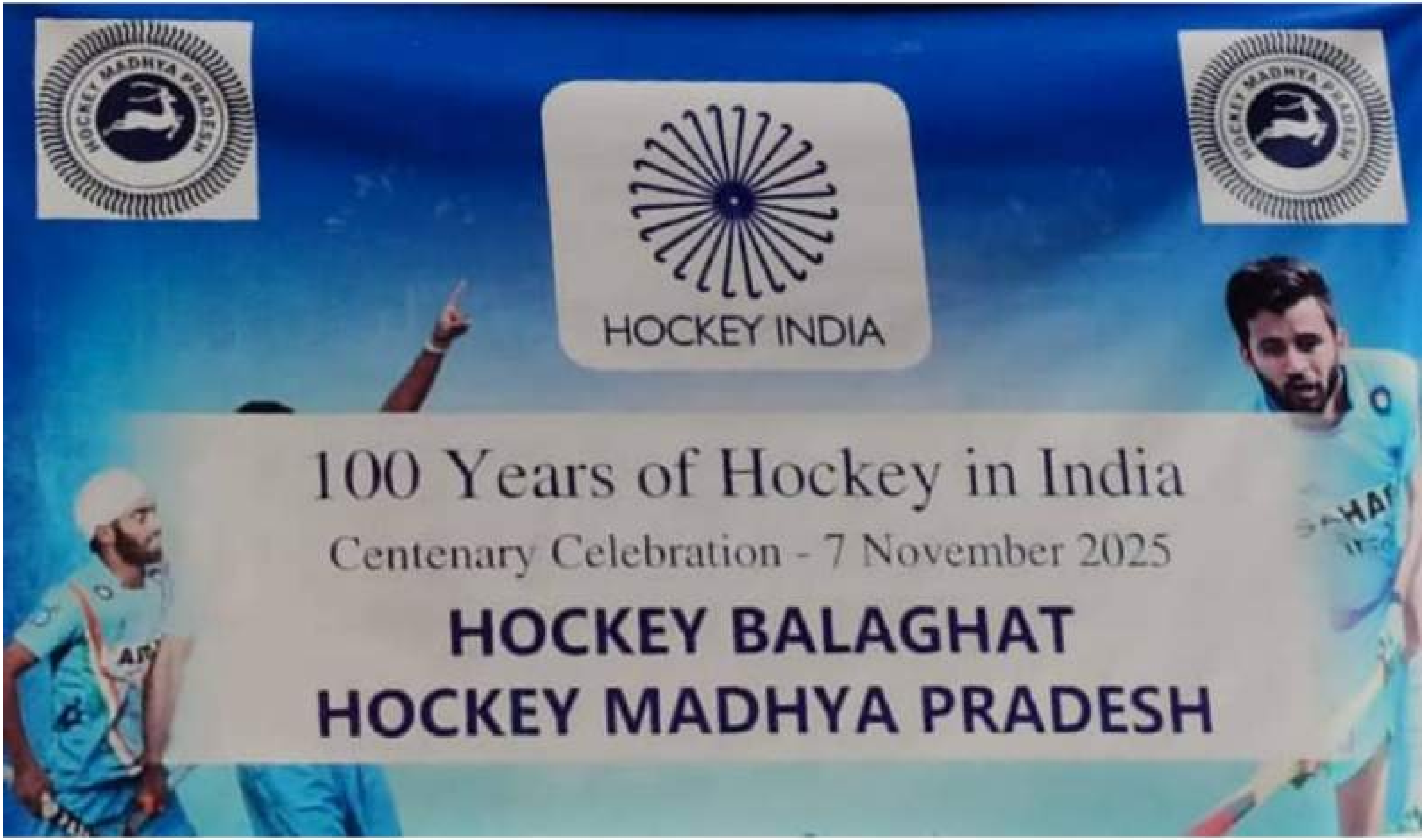

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

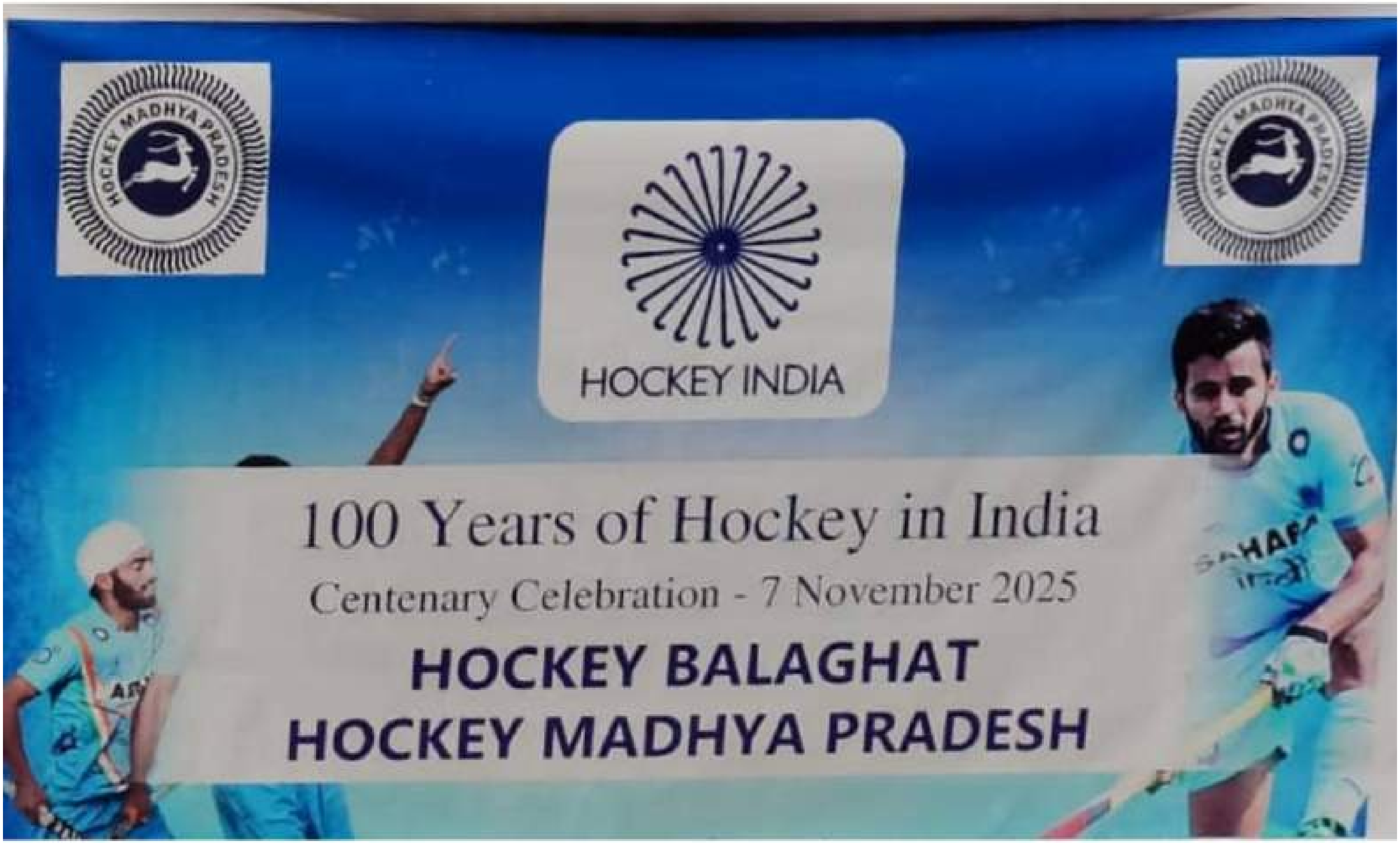

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

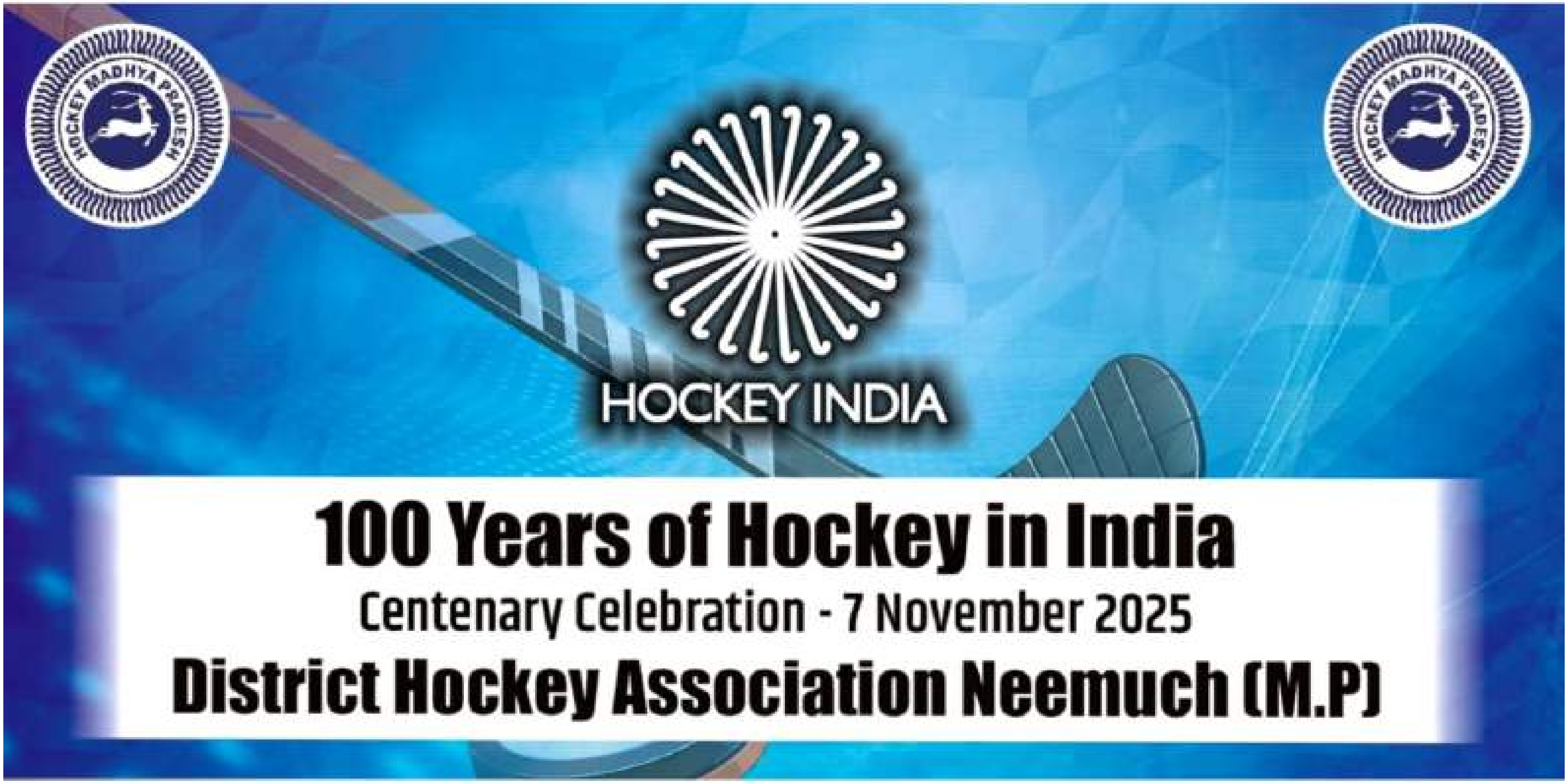

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

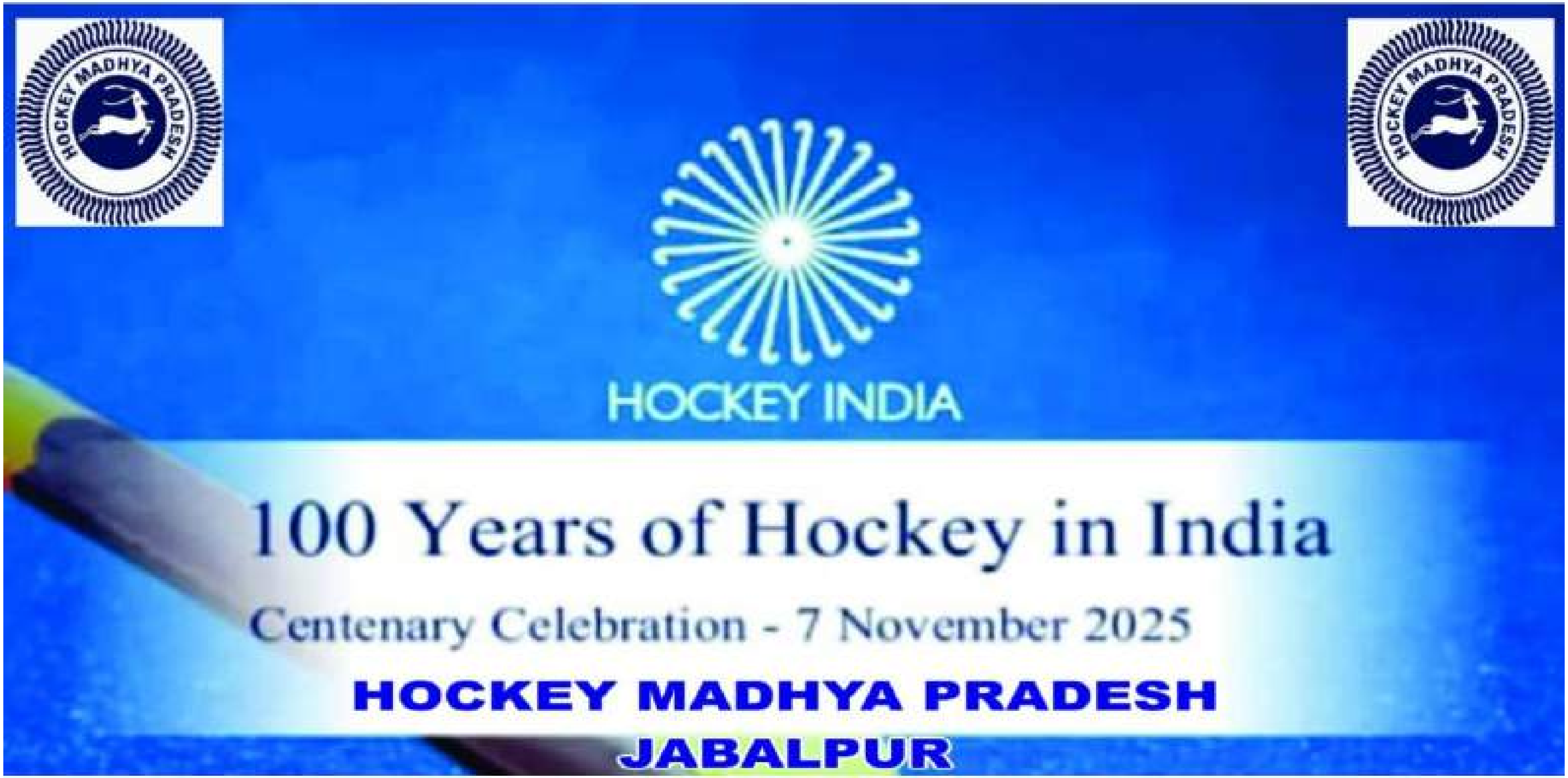

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

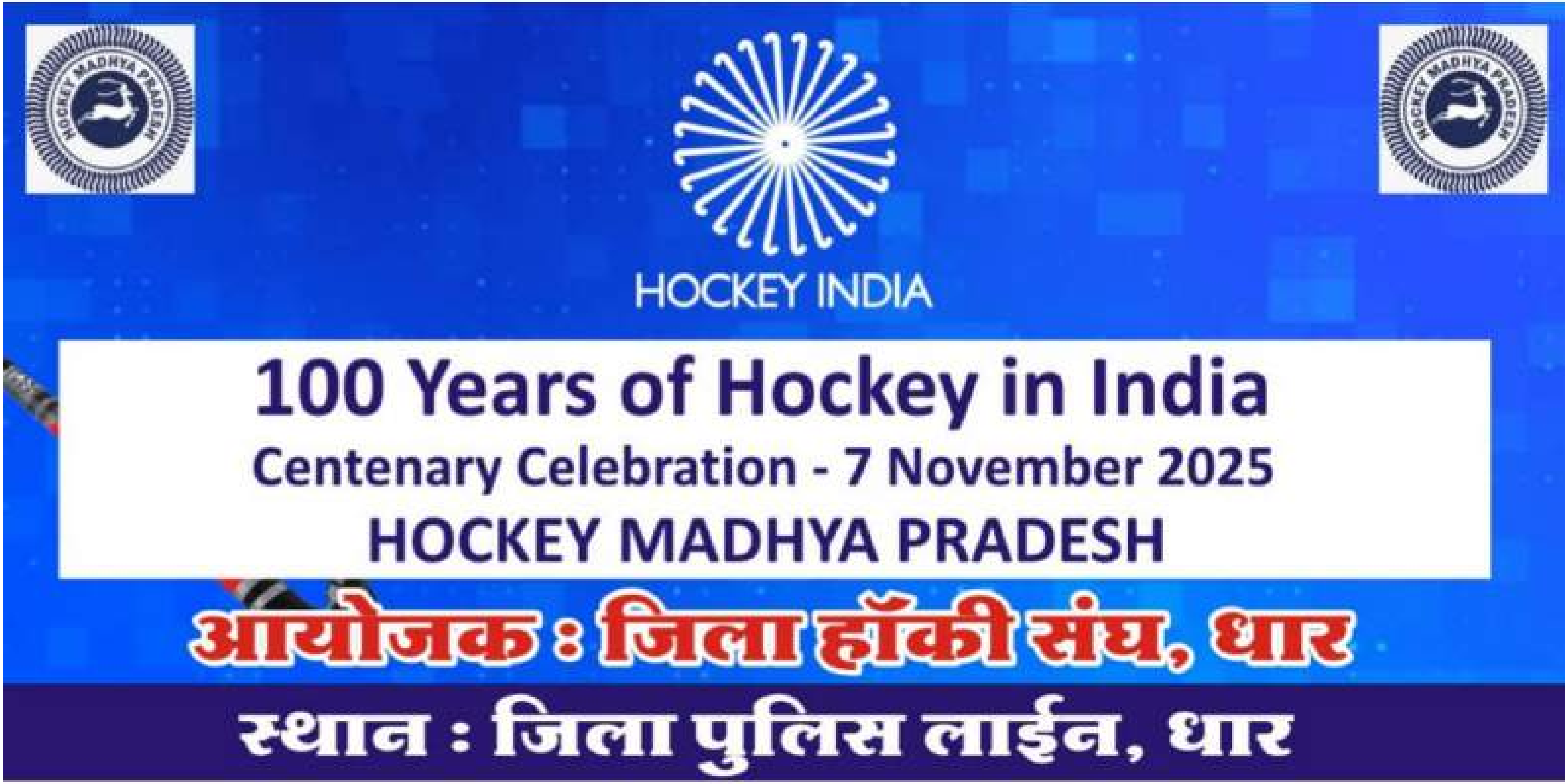

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner